DATE :- 06-07-2026

DAINIK BHASKAR, PAGE-02, SURAT

मेट्रो प्रोजेक्ट • ट्रैक के ऊपर से गुजरने वाला मेट्रो का सबसे बड़ा स्टील ब्रिज आकार ले रहा

रेल ट्रैक के ऊपर 76 मीटर लंबा गर्डर लॉन्च करने की तैयारी, असेंबलिंग शुरू की गई

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

कमेला दरवाजा और आंजणा फार्म मेट्रो स्टेशन के बीच बन रहा ब्रिज

सूरत मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के तहत मेट्रो लाइन-2 (सारोली-भेसान टेक्सटाइल कॉरिडोर) पर सबसे बड़े स्टील स्पान ब्रिज का निर्माण अब निर्णायक चरण में पहुंच गया है। रिंग रोड स्थित कमेला दरवाजा रेलवे अंडरपास के पास, कमेला दरवाजा और आंजना फार्म मेट्रो स्टेशन के बीच 76 मीटर लंबे स्टील गर्डर की असेंबलिंग शुरू हो गई है। यही गर्डर इंडियन रेलवे के व्यस्त रेल ट्रैक के ऊपर लॉन्च किया जाएगा। हालांकि इससे बड़ा मेट्रो रेल स्टील ब्रिज सारोली में बनाया गया है, जिसकी लंबाई 86 मीटर है। कमेला दरवाजा ब्रिज रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरने वाला पहला सबसे बड़ा 76 मीटर लंबा स्टील ब्रिज होगा। इसकी कुल लंबाई 76 मीटर इसलिए रखी गई है, ताकि नीचे गुजर रहे रेलवे ट्रैक के बीच कोई पिलर खड़ा न करना पड़े। रेलवे ट्रैक के बीच पिलर बनाना न केवल परिचालन में बाधा पैदा करता, बल्कि सुरक्षा और निर्माण दोनों दृष्टि से चुनौतीपूर्ण होता है।

तकनीकी रूप से यह एक लॉन्ग-स्पान स्टील ट्रस गर्डर है, जिसे पहले साइट पर छोटे-छोटे स्टील सेक्शन जोड़कर तैयार किया जाता है। पूरी असेंबलिंग के बाद भारी क्षमता वाले हाइड्रोलिक जैक, लॉन्चिंग नोज रोलर्स और विशेष लॉन्चिंग सिस्टम की मदद से इसे धीरे-धीरे अपनी अंतिम स्थिति तक सरकाया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान मिलीमीटर स्तर की सटीकता रखी जाती है, ताकि गर्डर सही एलाइनमेंट में अपने बियरिंग पर स्थापित हो सके। चूंकि नीचे से लगातार रेलवे ट्रैक गुजर रहा है, इसलिए लॉन्चिंग का सबसे संवेदनशील चरण रेलवे के साथ समन्वय कर निर्धारित ट्रैफिक ब्लॉक के दौरान पूरा किया जाएगा। इससे रेल संचालन प्रभावित हुए बिना सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

76 मीटर लंबे स्टील गर्डर की लॉन्चिंग सबसे जटिल कार्य

उल्लेखनीय है कि करीब 18 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन-2 का निर्माण तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस कॉरिडोर पर 76 मीटर लंबे स्टील गर्डर की लॉन्चिंग प्रोजेक्ट की सबसे जटिल और महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसके स्थापित होने के बाद इस सेक्शन में मेट्रो ट्रैक बिछाने का कार्य भी तेज गति से आगे बढ़ सकेगा।